आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 24.11.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- चमोली जिले के गोपेश्वर में नील–हरित शैवाल व जड़ी बूटी के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन।
- सड़क सुरक्षा को लेकर मसूरी और राजपुर पुलिस ने शहर के प्रमुख क्षेत्रों में चेकिंग अभियान चलाया।
- रुद्रप्रयाग जिला अस्पताल में गुब्बारा क्लीनिक के माध्यम से टाइप–1 मधुमेह से पीड़ित बच्चों और युवाओं को निःशुल्क उपचार प्रदान किया जा रहा है।
- उत्तरकाशी में पारंपरिक आस्था और लोक संस्कृति का पर्व मंगशीर बग्वाल धूमधाम से मनाया गया।

समीक्षा

चमोली जिले के मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में जड़ी बूटी शोध एवं विकास संस्थान मण्डल गोपेश्वर में नील–हरित शेवाल एवं जड़ी बूटी को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. ओ.एम. तिवारी ने नील–हरित शैवाल की कृषि के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नील हरित शैवाल स्पीरूलीना की खेती करना एक अच्छा प्रयास है। इससे आमजन तक इसका लाभ पहुंचेगा, साथ ही किसानों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि नील हरित शैवाल स्पिरुलिना एक मात्र शैवाल है, जिसको मानव आहार के रूप में प्रयोग कर सकता है। इस शैवाल की विश्व में कुल नौ प्रजातियां पायी जाती हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में यह अवधारणा थी कि स्पिरुलीना शैवाल केवल समुद्र में पाया जाता है, लेकिन लोकटक झील मणिपुर का शोध करने पर पता चला कि यह शैवाल ताजे पानी में भी पायी जाती है, जिस कारण इसकी खेती करने की संभावनाएं उत्पन्न हुई हैं। उन्होंने बताया कि स्पिरुलीना शैवाल को विश्व स्वास्थ्य संस्थान से वर्ष 1971 में सुपर फूड का दर्जा भी प्राप्त है और इसकी एक कैप्सूल में दो लीटर दूध से अधिक ऊर्जा मिलती है।

सड़क सुरक्षा

सड़क सुरक्षा को लेकर मसूरी और राजपुर पुलिस ने शहर के प्रमुख क्षेत्रों– खासकर जीरो पॉइंट पर संयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा वाहन चेकिंग अभियान चलाया। यह अभियान उच्च अधिकारियों के निर्देश पर शुरू किया गया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस की तत्परता और समन्वय की जांच हो सके। इस दौरान कई वाहनों से काली फिल्म हटवाई गए, साथ ही ओवरलोड वाहनों के चालान किए गए।

सभी वाहनों की सघन जांच की गई, ताकि कोई संदिग्ध व्यक्ति या सामग्री राज्य में प्रवेश न कर सके। सीओ मसूरी मनोज असवाल ने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सड़क सुरक्षा, हर वाहन चालक की जिम्मेदारी है।

जीएसटी

नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जीएसटी दर घटाने के साथ ही 22 सितम्बर से जीएसटी बचत उत्सव शुरू हुआ। इससे देशभर के नागरिकों को लाभ हो रहा है। आज हम बात करते हैं कि नई जीएसटी दरों से गृह निर्माण क्षेत्र में लोगों को कैसे मदद मिल रही है। एक रिपोर्ट–

गुबारा क्लीनिक रुद्रप्रयाग

रुद्रप्रयाग जिला अस्पताल में गुब्बारा क्लीनिक की शुरुआत की गई है, जिसके माध्यम से टाइप–1 मधुमेह से पीड़ित बच्चों और युवाओं को निःशुल्क उपचार, नियमित निगरानी और इंसुलिन उपलब्धता की सुविधा प्रदान की जा रही है। जिला चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. प्रवीन कुमार ने कहा कि खान–पान में बदलाव के कारण व्यस्कों में होने वाली मधुमेह जैसी बीमारी अब बच्चों में भी होने लगी है। इसको देखते हुए गुब्बारा क्लीनिक की शुरुआत की गई है।

जिला अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. रुचिका भट्ट ने बताया कि गुब्बारा क्लीनिक के माध्यम से मधुमेह रोगियों को निरंतर स्वास्थ्य जांच, इंसुलिन मॉनीटरिंग, मधुमेह जांच किट और दवाओं की निःशुल्क उपलब्धता कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक छह टाइप–1 मधुमेह रोगियों का पंजीकरण कर उन्हें निगरानी किट वितरित की जा चुकी है।

मंगशीर बग्वाल

उत्तरकाशी में पारंपरिक आस्था और लोक संस्कृति का पर्व मंगशीर बग्वाल धूमधाम से मनाया गया। पर्व का मुख्य उद्देश्य स्थानीय लोक संस्कृति, रीति–रिवाजों और पारंपरिक परंपराओं को आने वाली पीढ़ी तक सुरक्षित पहुंचाना है। काशी विश्वनाथ मंदिर के महंत और एक संस्था के संयोजक अजय पुरी ने बताया कि उत्तरकाशी में वर्ष 2007 से स्थानीय लोगों की पहल पर रामलीला मैदान में इस आयोजन को बाड़ाहाट की मंगसीर बग्वाल के नाम से शुरू किया गया। इसी कड़ी में स्कूलों के छात्र–छात्राओं के बीच गढ़ भोज, गढ़ भाषण, गढ़ निबंध, गढ़ चित्रण, गढ़ फैशन शो, रस्साकस्सी, मुर्गा झपट जैसी पारंपरिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय पर्व के दौरान भैलों, सामूहिक रांसो और पारंपरिक तांदी नृत्य की प्रस्तुति ने भी कार्यक्रम में लोक रंग बिखेरा। इस वर्ष पहली बार गढ़वाली मुहावरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बच्चों की विशेष प्रतियोगिता भी शुरू की गई है, जिससे भाषा और बोली के संरक्षण को नई दिशा मिलती है।

स्वरोज़गार बागेश्वर

पर्वतीय क्षेत्रों में सीमित संसाधनों के बीच बागेश्वर की गंगा कर्नाटक ने अपनी मेहनत से ऊन से बने खूबसूरत उत्पादों के ज़रिए न सिर्फ़ खुद को आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि कई महिलाओं के लिए उम्मीद की नई किरण भी जलाई है। दो साल पहले एक शौक के रूप में शुरू किया गया उनका काम आज उनकी पहचान बन चुका है। गंगा, ऊन से सनफ़्लॉवर, गुलाब, लिली, डहलिया और ट्यूलिप जैसे बेहद खूबसूरत फूल तैयार करती हैं, जो देखने में असली फूलों का आभास देते हैं। इसके अलावा वे टोपी, मफ़लर, स्वेटर और डेकोरेशन पीस भी बनाती हैं। गंगा ने बताया कि शुरुआत में उन्हें ऊन और क्रोशिया सामग्री जुटाने में काफ़ी दिक्कत हुई, लेकिन धीरे–धीरे उन्होंने कर्नाटक, दिल्ली, जम्मू–कश्मीर और महाराष्ट्र के सप्लायर्स से संपर्क कर उच्च गुणवत्ता वाला ऊन मंगाना शुरू किया। गंगा की सफ़लता से प्रेरित होकर आसपास की महिलाएं भी उनसे यह कला सीखना चाहती हैं। उनका कहना है कि यदि संसाधन और प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जाएं, तो पहाड़ की अनेक महिलाएं आर्थिक रूप से मज़बूत हो सकती हैं।